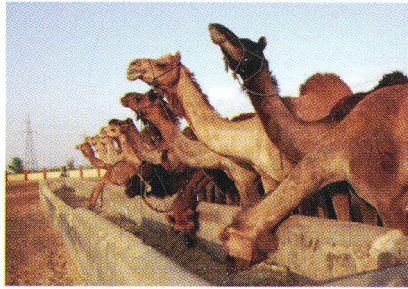




जनजातीय उप-योजना (2011-12)



उष्ट्र प्रबन्ध एवं रोगनिरोध



प्रकाशक :

डॉ. एन. वी. पाटिल

निदेशक

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र, बीकानेर

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)

जोड़बीड़, पोस्ट बॉक्स 07, बीकानेर 334001, राजस्थान, भारत

मार्च 2012

जनवरी व फरवरी

- प्रजनन
- जनन
- दुग्ध पान के दौरान नवजात की विशेष देखभाल एवं प्रबन्ध
- बाह्य/अन्तःपरजीवी रोग से बचाव

मार्च व अप्रैल

- बाल कर्तन
- कीटनाशी छिड़काव
- कृमिनाशक (आवश्यकतानुरूप)
- सर्रा रोग हेतु रसोरोगनिरोध

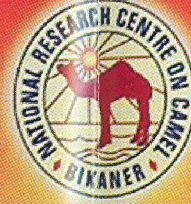
नवम्बर व दिसम्बर

- प्रजनन में उपयोग लिये जाने वाले नर ऊँटों को विटामिन 'ए' व सांद्र संपूरक
- कीटनाशी दवाओं का छिड़काव (आवश्यकतानुरूप)
- प्रजनन
- गर्भित मादाओं की विशेष देखभाल व संपूरक नवजात की देखभाल

मई व जून

- शीघ्र गर्भ जाँच
- ऊँटों के नम्बर लगाना (3 वर्ष एवं उससे ऊपर की आयु के)
- बाह्य/अन्तःपरजीवी रोग से बचाव
- पशु बाड़े की मिट्टी को पलटना व चूने तथा कीटनाशी दवाओं से उपचारित करना

माहवार वार्षिक कार्यक्रम (उष्ट्र प्रबन्ध एवं रोगनिरोध)



सितम्बर व अक्टूबर

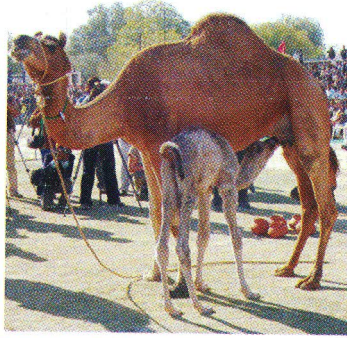
- सर्रा रोग से बचाव हेतु रसा रोगनिरोध
- कृमिनाशक दवा देना
- बाह्य परजीवी/त्वचा संक्रमण हेतु कीटनाशी दवा का छिड़काव
- गर्भित मादाओं को विटामिन 'ए' संपूरक
- ऊँट के बच्चों को माँ से अलग करना

जुलाई व अगस्त

- ट्रीपेनोसोमा (सर्रा) रोग की जाँच करना
- बाह्य/अन्तः परजीवी रोग से बचाव

लेखक:

चम्पक भक्त. समर घोरुई ,राघवेन्द्र सिंह,
गोरख मल, देवेन्द्र कुमार
एवं डॉ. एन. वी. पाटिल



अधिक जानकारी के लिये कृपया संपर्क करें

निदेशक

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र, बीकानेर

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)

जोड़बीड़, पोस्ट बॉक्स 07, बीकानेर 334001, राजस्थान, भारत

फोन: 0151-2230183 ; फेक्स: 0151-2231213

इ-मेल: nrccamel@nic.in; वेबसाइट: www.nrccamel.res.in